

स्पीड न्यूज़

अंबेसा में 10 वर्ष बाद इसाई धर्म छोड़ सरना धर्म में लौटा आदिवासी परिवार



भंडरा। प्रखण्ड के उदरंगी पंचायत के हाटी अम्बेरा में शनिवार का एक परिवार ने इसाई धर्म छोड़कर वापस अपने सरना धर्म में लौटे। सरना समाज ने इस परिवार का वापस अपने धर्म में लौटने पर स्वागत किया। प्रखण्ड क्षेत्र के उदरंगी पंचायत हाटी कुंबली गांव की निवासी सनिया उराव अपनी पत्नी के साथ 10 वर्ष पहले धर्म परिवर्तन कर इसाई धर्म अपना लिया था। इस मामले पर सनिया उराव के द्वारा बार-बार सरना धर्म में वापस आने की बात की जा रही थी तथानीय ग्रामीण भी उसे सरना धर्म में वापस लाने की चर्चा कर रहे थे। शनिवार को पहान ननका मुंडा, पूराजा उराव, महतो रियरा उराव सहित गांव के उदरंगी पंचायत के अन्य ग्रामीणों के समक्ष सनिया एवं उसकी पत्नी सुकरी उराव को पूरे विधि विधान पूर्वक सरना धर्म में घर वापसी पार्या गया। मौके पर सोमरा उराव कर्मसाहाय उराव, सोना मुंडा, पारसनाथ उराव, रवि उराव, अमर उराव, छठाया उराव, विसरा उराव सहित ग्रामीण उपस्थिति थी।

चैनपुर : मृतक के परिजनों को जिप

सदस्य ने दी खाद्य सामग्री

चैनपुर। कटकाही के तेतरोली गांव में गैरी दिनों फारी लगाकर आमहत्या कर चुके सूरज लकड़ा ने मूलाकात कर उनका हालाचाल जाना और शोकाकुल परिवार को आश्वासन देते हुए कहा कि अगर आपको किसी भी प्रकार हो जाए तो मूलाकात के परिजन को सहयोग करते हुए खाद्य सामग्री उपलब्ध कराया गया। मौके पर छिड़ानी खुश्या पोलिदोर एवं का, वार्ड सदस्य जोसेफ टोप्पो, पंचायत समिति सदस्य जनावल शांता टोप्पो, पंचायत समिति सदस्य छिड़ानी दिलीप एवं का, मधु साव, दिनेश जयसवाल, रोहित कुमार सहित कई लोग मौजूद थे।

दुमरी प्रखण्ड में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ईद का त्योहार

दुमरी। दुमरी प्रखण्ड में ईद उल फितर का त्योहार धूमधाम के साथ मनाया गया। प्रखण्ड क्षेत्र के सभी गांवों के ईदाहूं और मस्जिदों में ईद की नमाज अदा की गई। मौके पर मुरिलम धमालबियों ने देश, प्रदेश, जिला और गांव के खुशहाली और तरकीकी की दुआ मांगी गई। ईद के नमाज के बाद सभी लोगों ने एक दुर्से को मुवक्कल देकर दर्शनीया और शान्ति व समृद्धि की कामाना की। इधर बैलोली के निवासी शहबाज अलाम, फिरदोस अंसारी, तीव्र अलाम, इरजाल अलाम, सहाम अलाम, खुशी अलाम, हुसून पेट्रोल पांडे के सांचालक अलाका हुसून की ओर से शिविर लायाकर सेवायां रसायुला, योकलेट, कोल्ड ड्रिंक एवं पान का वितरण किया गया। वहीं ईद उल फितर की नमाज को लेकर प्रशासन भी चौक बौराहों पर पूरी तरह मुस्तेद दिखी। मौके पर एस आई रवि कुमार, अखत अली, शहबाज अलाम, हाजी समीउलहान अलाम, हाजी शालिम, आयुष अलाम सहित सैकड़ों मुरिलम धमालबियों उपस्थिति थी।

लाभुकों की शिकायत पर जिप सदस्य ने किया पीडीएस दुकान का निरीक्षण



चैनपुर। पीडीएस लाभुकों की शिकायत पर जि�प सदस्य मेरी लकड़ा ने शनिवार को छारपुर गांव के डीलर खिस्टिना लकड़ा के पीडीएस दुकान का निरीक्षण कर लाभुकों को हो रही समस्या की जानकारी ली। जिसपर लाभुकों ने बताया कि ना हमें समझ से अनाज मिलता है और ना ही सभी लाभुकों तक सही मात्रा में अनाज पहुंचता है। उहाँने बताया कि फिर भी एक लाभुकों तक सही मात्रा में अनाज पहुंचता है। उहाँने बताया कि अनाज के लिए लाभुकों में खेड़े रहते हैं फिर भी सभी लाभुकों को अनाज ही मिल पाता है। वहीं जन वितरण दुकान के मालिकों ने अभद्र राहत की कामान करना पड़ता है। जिस पर जिप सदस्य मेरी लकड़ा ने डीलर खिस्टिना लकड़ा का भी पक्ष जानने का प्रयास किया। जिसमें दुकानदार ने बताया कि मेरे दुकान में कुल 142 लाभुक हैं तथा मुझे दो और दुकान जिसमें मैनिका एस एच जी जिसके कुल 150 लाभुक और देवलाल उराव जिसके 202 लाभुकों का राशन वितरण मुझे ही करना है। अबंवन कम होने के कारण मैं सभी लाभुकों को राशन नहीं दे पाता हूं। दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद जिप निरपेक्ष सदस्य मेरी लकड़ा ने सभी लाभुकों को काही की मैं जट्ठी ही अंचलाकारी गोतम कुमार से मिलकर समस्या का निपटारा करारही। वहीं उहाँने पी ढी एस दुकान संचालक को बोनानी देते हुए कहा कि आप लाभुकों से अच्छा व्यवहार करें और समय से दुकान खोलकर उन्हें आवंतन के अनुसार राशन दे।

पॉलिटेक्निक कॉलेज गुमला में पक्षियों को गर्मी से राहत देने के लिए लगा वर्क फीडर

गुमला। पॉलिटेक्निक कॉलेज गुमला में अंतर्राष्ट्रीय पृथीवी दिवस के अवसर पर पक्षियों को गर्मी से बचने के लिए पेंडों पर बर्ड फीडर लाये गये। पक्षियों को उनकी व्यास दुज्जाने एवं पानी पिलाने के लिए जल फीडर का उपयोग किया जाता है। क्योंकि गर्मीयों के दौरान बाहर की विचित्रिती गर्मी उहाँ दुरी तरह से निर्जित कर सकती है। अधिकारक इसे पेंडों पर रखा जाता है ताकि पृथीवी का उपचार आसान हो। गुमला पॉलिटेक्निक कॉलेज के निवासी रेड स्थित ईदगाह सहित ग्रामीण अंचलों के तमाम ईदगाहों और मस्जिदों में ईद-उल-फितर की विधियां प्रकाशित करना वाला था।

भंडरा। प्रखण्ड के उदरंगी पंचायत के अवसर पर पक्षियों को गर्मी उहाँ देने के लिए जल फीडर का उपयोग किया जाता है।

यांची, रविवार
23.04.2023

गुमला-लोहरदगा

गुमला में हर्षोल्लास के साथ मनी ईद, ईदगाह में पढ़ी ईद की नमाज

■ गले लगा कर दी एक दूसरे को ईद की छाली, सोइह्या शॉटर लोगों के जीवन में थी।

खबर मन्त्र संवाददाता

गुमला। ईद रोजेदोरों के लिए अल्लाह की जानिवार से एक अनमोल लोहरदगा है। ईद जैसे अनमोल लोहरदगा है। उहाँने ग्रामीणों के नमाज करने के साथ गुमला के लोहरदगा की विधियां लिया था। इस मामले पर सनिया उराव के द्वारा बार-बार सरना धर्म में लौटे। सरना समाज ने इस परिवार का वापस अपने धर्म में लौटने पर स्वागत किया। प्रखण्ड क्षेत्र के उदरंगी पंचायत हाटी कुंबली गांव की निवासी सनिया उराव अपनी पत्नी के साथ 10 वर्ष पहले धर्म परिवर्तन कर ईसाई धर्म अपना लिया था। इस मामले पर सनिया उराव के द्वारा बार-बार सरना धर्म में लौटे। सरना समाज ने इस परिवार का वापस अपने धर्म में लौटने पर स्वागत किया। प्रखण्ड क्षेत्र के उदरंगी पंचायत हाटी कुंबली गांव की निवासी सनिया उराव अपनी पत्नी के साथ 10 वर्ष पहले धर्म परिवर्तन कर ईसाई धर्म अपना लिया था। इस मामले पर सनिया उराव के द्वारा बार-बार सरना धर्म में लौटे। सरना समाज ने इस परिवार का वापस अपने धर्म में लौटने पर स्वागत किया। प्रखण्ड क्षेत्र के उदरंगी पंचायत हाटी कुंबली गांव की निवासी सनिया उराव अपनी पत्नी के साथ 10 वर्ष पहले धर्म परिवर्तन कर ईसाई धर्म अपना लिया था। इस मामले पर सनिया उराव के द्वारा बार-बार सरना धर्म में लौटे। सरना समाज ने इस परिवार का वापस अपने धर्म में लौटने पर स्वागत किया। प्रखण्ड क्षेत्र के उदरंगी पंचायत हाटी कुंबली गांव की निवासी सनिया उराव अपनी पत्नी के साथ 10 वर्ष पहले धर्म परिवर्तन कर ईसाई धर्म अपना लिया था। इस मामले पर सनिया उराव के द्वारा बार-बार सरना धर्म में लौटे। सरना समाज ने इस परिवार का वापस अपने धर्म में लौटने पर स्वागत किया। प्रखण्ड क्षेत्र के उदरंगी पंचायत हाटी कुंबली गांव की निवासी सनिया उराव अपनी पत्नी के साथ 10 वर्ष पहले धर्म परिवर्तन कर ईसाई धर्म अपना लिया था। इस मामले पर सनिया उराव के द्वारा बार-बार सरना धर्म में लौटे। सरना समाज ने इस परिवार का वापस अपने धर्म में लौटने पर स्वागत किया। प्रखण्ड क्षेत्र के उदरंगी पंचायत हाटी कुंबली गांव की निवासी सनिया उराव अपनी पत्नी के साथ 10 वर्ष पहले धर्म परिवर्तन कर ईसाई धर्म अपना लिया था। इस मामले पर सनिया उराव के द्वारा बार-बार सरना धर्म में लौटे। सरना समाज ने इस परिवार का वापस अपने धर्म में लौटने पर स्वागत किया। प्रखण्ड क्षेत्र के उदरंगी पंचायत हाटी कुंबली गांव की निवासी सनिया उराव अपनी पत्नी के साथ 10 वर्ष पहले धर्म परिवर्तन कर ईसाई धर्म अपना लिया था। इस मामले पर सनिया उराव के द्वारा बार-बार सरना धर्म में लौटे। सरना समाज ने इस परिवार का वापस अपने धर्म में लौटने पर स्वागत किया। प्रखण्ड क्षेत्र के उदरंगी पंचायत हाटी कुंबली गांव की निवासी सनिया उराव अपनी पत्नी के साथ 10 वर्ष पहले धर्म परिवर्तन कर ईसाई धर्म अपना लिया था। इस मामले पर सनिया उराव के द्वारा बार-बार सरना धर्म में लौटे। सरना समाज ने इस परिवार का वापस अपने धर्म में लौटने पर स्वागत किया। प्रखण्ड क्षेत्र के उदरंगी पंचायत हाटी कुंबली गांव की निवासी सनिया उराव अपनी पत्नी के साथ 10 वर्ष पहले धर्म परिवर्तन कर ईसाई धर्म अपना लिया था। इस मामले पर सनिया उराव के द्वारा बार-बार सरना धर्म में लौटे। सरना समाज ने इस परिवार का वापस अपने धर्म में लौटने पर स्वागत किया। प्रखण्ड क्षेत्र के उदरंगी पंचायत हाटी कुंबली गांव की निवासी सनिया उराव अपनी पत्नी के साथ 10 वर्ष पहले धर्म परिवर्तन कर ईसाई धर्म अपना लिया था। इस मामले पर सनिया उराव के द्वारा बार-बार सरना धर्म में लौटे। सरना समाज ने इस परिवार का वापस अपने धर्म में लौटने पर स्वागत किया। प्रखण्ड क्षेत्र के उदरंगी पंचायत हाटी कुंबली गांव की निवासी सनिया उराव अपनी पत्नी के साथ 10 वर्ष पहले धर्म परिवर्तन कर ईसाई धर्म अपना लिया था। इस मामले पर सनिया उराव के द्वारा बार-बार सरना धर्म में

शास्त्र के साथ शस्त्र का भी प्रयोग करने का भगवान परथुराम ने दिया संदेश : मंत्री मिथिलेश

भगवान परथुराम भवन का निर्माण कार्यशीघ्र होगा पूर्ण, ब्रह्मांशु सेवा संस्थान ने किया परथुराम जयंती का आयोजन

कोडरमा में भगवान परथुराम की जयंती धूमधाम से मनी



खबर मन्त्र संवाददाता

गढ़वा। ब्रह्मांशु सेवा संस्थान गढ़वा के तत्वाधान में शहर के चिनिया रोड में भगवान परथुराम जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अंतिम क्रूर रूप में उपस्थित गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल और स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने दीप जलाकर एवं भगवान परथुराम की तस्वीर पर माल्यांपण कर किया। इस दैरेंग संस्थान के 10वें अवतार कलिङ्ग अवतार होंगे, तो परथुराम जी ही हैं उनको अस्त्र-शस्त्र में परस्परत करेंगे। जयंतान के रूप में कामेश्वर पांडेय, संरभ पांडेय ने पूजा अर्चना की। बताएं चले कि रविवार सुबह पूजन, हवन, आरती होंगी, जबकि स्वजन बंधुओं के भोजन के बाद संध्या चार बजे से नग ग्रन्थालय के लेकर शोभा यात्रा पांडेय, असोक पांडेय, आरत लाल पांडेय, संजय पांडेय, आमनद विनायक जारी है कि पौराणिक मान्यता है कि भगवान परथुराम का जन्म प्रवेष्ट काल में तुतीया विथि में हुआ था। ऐसे में परथुराम का जन्मोत्सव भी प्रदोष काल में ही मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि भगवान परथुराम एक मान ऐसे सहित कहं ब्राह्मण समाज के लोग मौजूद हैं।

दक्षिण भारत के लोगों के पास परथुराम जी का बड़ा मंदिर है। कलिङ्ग पुराण के अनुसार, जब कलियुग में भगवान परथुराम का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। विधि विधान से पूजन व हवन किया गया। हाँ संध्या में सर्गेतमपी भजन प्रस्तुतियों का आयोजन हुआ। भगवान परथुराम का जन्मोत्सव सनातन कैलेंडर के अनुसार, हर वर्ष वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तुतीया विथि को मनाया जाता है। इसके बाद आचार्य जयराम सांस्कृती, आचार्य प्रदीप पांडेय ने बताया कि पौराणिक मान्यता है कि भगवान परथुराम का जन्म प्रवेष्ट काल में तुतीया विथि में हुआ था। ऐसे में परथुराम का जन्मोत्सव भी अप्रोक्ष पांडेय, आशीष पांडेय, आलोक पांडेय, रतन पांडेय, उमाकांत पांडेय, बबलू पांडेय, विनायक अविनोदी, मुना पांडेय विनायक के अवतार हैं, जो आज भी जीवित हैं। दक्षिण भारत के उडुपी



दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन करते मंत्री मिथिलेश ठाकुर

नहीं इनकी गिनती तो महर्षि वेदव्यास, अश्वत्थामा, राजा बलि, हनुमान, विश्वामी, कृपाचार्य, ऋषि माकड़ेंद्र सहित उन आठ अमर किरदारों में होती है कि जिन्हें कालातर तक अमर माना जाता है। पौराणिक ग्रंथों में वर्णित है कि भगवान परथुराम अलंत्रं प्राणीथावाके थे। इनके क्रौंच से देवी-देवता भी धर्यांक कांथ के अवतार हैं। इस दिन भगवान विष्णु के परथुराम अवतार की पूजा करने से शौश्य, कांति एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है और शुभ्रांतों का नाश होता है। मौके पर ब्रह्मांशु सेवा संस्थान के अध्यक्ष पुराण तिवारी, अमृत शुक्ल, जामुनी के केंद्रीय प्रवक्ता थीरज दुपे, आशुतोष पांडेय, धीरेंद्र चौबे, कृष्ण मुरारी पांडेय, संदीप दुबे, कंचन साहू, लिलोप गुप्ता, बनराम तिवारी सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित हैं।

परथुराम का जन्म हुआ था। भगवान परथुराम भागवत वंश में जसें भगवान विष्णु के छठे अवतार हैं। उनका जन्म दैरेंग में हुआ था। माना जाता है कि इस दिन विष्णु की वैशाख पक्ष की तुतीया की विथि वार्षा द्वारा भगवान परथुराम का उत्तरांश द्वारा दीप प्रज्ञलित कर पूष्ण अंतिम विथि के अवतार है। वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तुतीया की विथि वार्षा द्वारा भगवान परथुराम की शक्ति भी अक्षय थी। इन्हाँ वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की अक्षय थी।

भगवान परथुराम के चित्र पर माल्यांपण कर दीप प्रज्ञलित किया गया

गिर्हार (चतरा)। प्रखंड के अंतर्गत चित्रांशु के अवतार शुक्लालय में शनिवार को ब्राह्मण समाज के लोगों ने पूजा अर्चना कर भगवान परथुराम का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया। इस भौके पर समानित ब्राह्मण मंडली के लोगों ने परथुराम भगवान के चित्र पर माल्यांपण कर दीप प्रज्ञलित कर पूष्ण अंतिम विथि के अवतार हैं। इसके बाद संध्या में उपस्थिति सराहनीय के ब्राह्मणों की उपस्थिति सराहनीय



रही। माना जाता है कि वैशाख मास

